vinetur

फ्रांस ने फ्लावेसांस दोरे के लिए बेलें उखाड़ने की नई सीमाओं पर परामर्श शुरू किया

मसौदा आदेश से बेलों की बीमारी फ्लावेसांस दोरे और उसके वाहक कीट की रोकथाम के उपायों में बदलाव होगा ; सुझाव देने की अंतिम तारीख 21 नवंबर है

शनिवार, 14 नवंबर 2026



फ्रांसीसी अधिकारियों ने एक मसौदा आदेश पर सार्वजनिक परामर्श शुरू किया है। इससे देश में अंगूर की बेलों की गंभीर बीमारी फ्लावेसांस दोरे से निपटने के तरीके में बदलाव होगा। मसौदे में बेलें उखाड़ने की कार्रवाई शुरू करने वाली सीमाओं को फिर से परिभाषित करने के साथ-साथ बीमारी और इसे फैलाने वाले कीट की रोकथाम तथा नियंत्रण के अद्यतन उपाय तय किए गए हैं।

Agra ने शुक्रवार, 13 नवंबर को खबर दी कि मसौदा 21 नवंबर तक परामर्श के लिए खुला रहेगा। प्रस्ताव बेलों में फ्लावेसांस दोरे और इसे फैलाने वाले कीट से संबंधित है। इसमें प्रकोप रोकने और संक्रमण का पता चलने के बाद उसे सीमित करने के नियम तय किए जाएंगे।

प्रस्तावित बदलाव महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बेलें उखाड़ने की सीमाएं वाइन क्षेत्रों में बीमारी नियंत्रण नीति के सबसे संवेदनशील पहलुओं में से एक हैं। जिस स्तर पर अधिकारी बेलें उखाड़ना अनिवार्य करते हैं, उसमें कमी या बढ़ोतरी से यह बदल सकता है कि संक्रमित भूखंड कितनी तेजी से साफ किए जाते हैं, उत्पादकों को कितनी छूट मिलती है और बीमारी नियंत्रण के लिए अंगूर के बागों को कितना खर्च उठाना पड़ता है।

फ्लावेसांस दोरे अंगूर की खेती के लिए पौध-स्वास्थ्य की एक बड़ी चिंता है, क्योंकि इससे बेलें कमजोर हो सकती हैं और रोकथाम न होने पर यह अंगूर के बागों में फैल सकती है। फ्रांस लंबे समय से निगरानी, वाहक कीट के खिलाफ उपचार और सबसे गंभीर मामलों में संक्रमित पौधों या भूखंडों को हटाने के मिले-जुले उपायों पर निर्भर रहा है। नियमों की समीक्षा से संकेत मिलता है कि सरकार त्वरित स्वास्थ्य-सुरक्षा कार्रवाई और उत्पादकों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ के बीच संतुलन को फिर से साधने की कोशिश कर रही है।

Agra की खबर में मसौदा आदेश के तहत लागू होने वाली नई सीमाओं का सटीक ब्योरा नहीं दिया गया, लेकिन कहा गया कि इसमें बेलें उखाड़ने के स्तरों को खास तौर पर फिर से परिभाषित किया गया है और बीमारी तथा उसके वाहक से जुड़े रोकथाम एवं नियंत्रण के उपाय तय किए गए हैं। इसका मतलब है कि परामर्श का असर पुष्ट संक्रमणों पर आपात कार्रवाई और प्रभावित क्षेत्रों के उत्पादकों पर लागू नियमित दायित्वों—दोनों पर पड़ सकता है।

पेय उद्योग, खासकर वाइन क्षेत्र के लिए, यह मामला पौध-स्वास्थ्य नियमों से आगे जाता है। बेलें उखाड़ने की बाध्यताओं में किसी भी बदलाव से अंगूर के बागों के प्रबंधन की लागत, श्रम की जरूरत और संक्रमित बेलों को बदलने की गति प्रभावित हो सकती है। यदि अंतिम नियमों में अधिक व्यापक रूप से बेलें हटाने या कड़ी निगरानी की मांग की जाती है, तो उत्पादकों की अल्पकालीन लागत बढ़ सकती है। यदि कुछ मामलों में बेलें हटाने में देरी की गुंजाइश देने के लिए सीमाएं बदली जाती हैं, तो अधिकारी और उत्पादक संभवत: इसकी तुलना बीमारी के व्यापक प्रसार के जोखिम से करेंगे।

परामर्श के इस चरण में उत्पादकों, व्यापार संगठनों और अन्य हितधारकों को उपाय को अंतिम रूप दिए जाने से पहले अपनी राय देने का मौका मिलता है। व्यवहार में, उनकी टिप्पणियां इस बात पर केंद्रित हो सकती हैं कि प्रस्तावित सीमाओं का वैज्ञानिक आधार है या नहीं, उन्हें वाइन क्षेत्रों में एकसमान रूप से लागू किया जा सकता है या नहीं और अनुपालन की लागत स्वास्थ्य-सुरक्षा के जोखिम के अनुपात में है या नहीं।

मसौदा आदेश ऐसे समय आया है जब फ्रांस के अंगूर के बागों के लिए बीमारी की रोकथाम एक अहम मुद्दा बनी हुई है। पौध-स्वास्थ्य से जुड़े फैसलों का उत्पादन और अंगूर के बागों के दीर्घकालीन नवीनीकरण पर सीधा असर पड़ सकता है। चूंकि नियमों में रोकथाम और उन्मूलन, दोनों शामिल हैं, इसलिए अंतिम रूप से तय नियम आने वाले मौसमों में उत्पादकों की जांच, उपचार और दोबारा पौधरोपण की योजनाओं को प्रभावित कर सकते हैं।

Agra ने इस उपाय को फ्लावेसांस दोरे से निपटने के लिए बेलें उखाड़ने की सीमाओं को फिर से परिभाषित करने की परियोजना बताया। इससे संकेत मिलता है कि सरकार केवल तकनीकी भाषा को अद्यतन नहीं कर रही, बल्कि बीमारी को फैलने से रोकने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख परिचालन उपायों में से एक की समीक्षा कर रही है। 21 नवंबर को परामर्श अवधि समाप्त होने तक प्रस्ताव की समीक्षा और उसमें संभावित संशोधन हो सकते हैं; इसके बाद ही कोई अंतिम आदेश अपनाया जाएगा।